om-13 final_Page 1 and 2 07-10-2014 20:59 Page 1

श्रीमद्भगवद् गीता की शिक्षाएं सभी के लिए प्रासंगिक

चंडीगढ़। एक ऐसे भारत का निर्माण जहाँ सभ्य समाज हो, चारो तरफ शान्ति और सुरक्षा हो, सत्य हो और हिंसा के लिए कोई स्थान न हो। देश की आज़ादी से पहले भी देश के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले नेताओं का यह सपना था। आज़ादी के बाद से देश में हर मायने में प्रगति हुई है। ऐसे में देश में खुशहाली और शांति तभी लाई जा सकती है जब वैल्यू सिस्टम को सही प्रकार से समझा जाए। श्रीमद्भगवद् गीता में भगवान ने कहा है कि वह बुराई का नाश करने के लिए और सच्चाई की जीत के लिए हर युग में आते हैं। यह विचार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा भगवद् गीता पर आयोजित व्याख्यान में अधिकांश वक्ताओं ने व्यक्त किये।

इस अवसर पर ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि व्यक्ति की आत्मा पवित्र होती है जब वह अपना रोल प्ले करने के लिए इस धरा पर ऊपर से उतरती है। जब वह आत्मा शरीर में आकर इस दुनिया में

चंडीगढ़। मंच पर विराजित संत महंत, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु.अचल व पूर्व जस्टिस ईश्वरैय्या। सभा में शहर के गणमान्य लोग ।

आती है तो उसके सामने सच्चाई, प्यार, खुशी, पावर एक माध्यम होते हैं। धीरे-धीरे आत्मा की कला कम होते-होते आत्मा शक्तिहीन हो जाती है और उसमें बुराइयाँ, विकार प्रवेश करने लगते हैं। इसके बाद ही व्यक्ति गुस्सा, भूख और खुद को बड़ा दिखाने की दौड़ में शामिल हो जाता है।

पूर्व जस्टिस ईश्वरैय्या,हाई कोर्ट आ.प्र. ने विवेकपूर्ण रीति से स्पष्ट किया कि श्रीमद्भगवद् गीता में वर्णित युद्ध अहिंसक था न कि हिंसक और साथ-साथ ये भी बताया कि गीता का ज्ञान सृष्टि चक्र में कलियुग के अंत में दिया गया।

जबलपुर से आईं डॉ. पुष्पा पाण्डे ने तर्क संगत रूप से यह स्पष्ट किया कि गीता के ज्ञान दाता परमात्मा शिव हैं और श्रीकृष्ण सतयुग के प्रथम राजकुमार हैं। उन्होंने आगे कहा कि भगवान का जन्म मनुष्य सदृश्य नहीं होता बल्कि उनका अवतरण होता है। वो परकाया प्रवेश करके हमें पुन: गीता ज्ञान देता है।

हरिद्वार से आए 108 सुश्री महंत सावित्रीदास जी महाराज,श्री जानकी दास आश्रम तथा संत श्री महंत हेमानंद जी महाराज,अध्यक्ष श्री महंत परमानंद सरस्वती जी महाराज ट्रस्ट हरिद्वार ने भी अपने विवेकपूर्ण और ओजस्वी वाणी से सबको लाभान्वित किया।

इस कार्यक्रम में सबसे अद्भुत व सुंदर आकर्षण का केन्द्र चण्डीगढ़ के न्यायाधीशों, सरकारी अधिकारियों तथा समाजसेवकों आदि का उपस्थित होना था। जिसमें जस्टिस ए.एन. जिन्दल,रिटायर्ड जज,पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट, एम.एम. अग्रवाल,रिटायर्ड जज,पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट, जस्टिस बलदेव सिंह, रिटायर्ड जज,पंजाब व हरियाणा हाई कोट, डिस्ट्रिक्ट व सेशन जज एस.के. अग्रवाल, डॉ अमोद कुमार,डायरेक्टर,सी.एस.आइ.ओ.,चण्डीगढ़, श्रवण सिंह,आइ.ए.एस., फाइनेंशियल कमिश्नर हरियाणा, चण्डीगढ लायन्स क्लब के पूर्व गवर्नर आर.के. राणा, डॉ. अवधेष पाण्डे,हेड ऑफ द डिपार्टमेंट,ऑन्कोलाजी, जर्नलिस्ट विजय सहगल, जगदीप सिंह चीमा,चेयरमैन,डॉ. अमरीक सिंह चीमा फाउण्डेशन ट्रस्ट,चण्डीगढ़, पूर्व जस्टिस इकबाल सिंह तथा कई सामाजिक सेवा संगठनों से जुड़े हुए अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ नन्हीं सी बालिका के स्वागत नृत्य के साथ हुआ। क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. अचल ने आए हुए सभी लोगों का हृदय से स्वागत किया तथा क्षेत्रीय डायरेक्टर ब्र.कु. अमीरचन्द ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

युवा आत्म विश्वास एवं सत्यता की शक्ति को सही दिशा दें : डॉ सुदर्शन

ब्रह्माकुमारीज़ युवा प्रभाग द्वारा 'सफलता की तलाश में युवा' पर त्रिदिवसीय सेमीनार का आयोजन

ज्ञानसरोवर। लीड इंडिया फाउण्डेशन 2020 के संस्थापक अध्यक्ष सुदर्शन आचार्य ने मुख्य अतिथि के रूप में युवाओं को मार्ग दर्शन दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार समय का प्रबंधन, आत्म विश्वास एवं सत्यता की शक्ति के आधार पर बापू ने जीवन में हर ऊँचाइयों को छुआ था, उसी प्रकार कोई भी इनको अपनाकर अपना जीवन सफल बना सकता है। उन्होंने आगे कहा कि आपका युवा काल ही भविष्य के जीवन की झाँकी है। अपना जीवन पशु-पक्षियों समान बनाने के बजाए स्वामी विवेकानंद, मदर टेरेसा आदि के समान मूल्यवान और श्रेष्ठ बनाना चाहिए। उन्होंने युवाओं को हमेशा स्वस्थ रहने की प्रेरणा दी और साथ ही साथ मन को सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारने के लिए भी प्रेरित किया। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के यूथ विंग द्वारा 'सफलता की तलाश में युवा' विषय पर आयोजित सम्मेलन में

ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सफलता का वास्तविक मतलब है हेल्थ, वेल्थ, हैप्पीनेस एवं अच्छे संबंधों की जीवन में उपस्थिति। इसके साथ ही जीवन में

ज्ञानसरोवर। दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. डॉ. निर्मला, सुदर्शन आचार्य, ब्र.कु.चंद्रिका। सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए युवा।

उत्तम चरित्र का होना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मन की शुद्धि और विचारों की श्रेष्ठता से हमारा चरित्र श्रेष्ठ बनता है। इसके लिए हम सर्वशक्तिमान परमात्मा से शक्तियाँ प्राप्त करेंगे और ये संभव है। उन्होंने आगे कहा कि श्रेष्ठ चिंतन के लिए राजयोग का अभ्यास ज़रूरी है।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. चंद्रिका ने कहा कि जीवन में हर व्यक्ति का अरमान होता है कि उसे सफल जीवन की सौगात मिले। इसके लिए उन्होंने समय के प्रबंधन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समय ही धन और समय ही सबकुछ है। उन्होंने सभी को आगे से अपना हर कार्य समय से पूर्व सम्पन्न करने का प्रण भी करवाया। उन्होंगे आगे कहा कि हम सभी परमात्म पुत्र और पुत्रियां हैं, सफलता हम सभी का जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्होंने सत्यता को अपनाने पर ज़ोर देते हुए कहा कि कैसी भी परिस्थिति हो, हमें सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना है।

ज्ञानसरोवर। राजीव गुप्ता,चीफ सेक्रेट्री,मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्किल डेवलपमेंट को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करने के पश्चात् प्रसाद देते हुए ब्र.कु. चन्द्रिका।

संस्थापक एवं अध्यक्ष युवा सेवा परिषद तथा नेहरु युवा संगठन से संबद्ध डॉ. चन्द्रशेखर प्राण ने विशेष अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में कहा कि अगर कोई काम करते हुए हम प्रसन्नता का अनुभव करते हैं तो हम आधे सफल हुए और कार्य की सम्पन्नता पर अगर हम खुद को भरपूर अनुभव करें तो हम पूर्ण सफल हुए ऐसा माना जा सकता है। प्रक्रिया एवं परिणाम दोनों में आनंदित होने पर ही सफलता मान्य होगी। उन्होंने कहा कि ध्यान हमारे मन को सही दिशा में ले जाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है, और इसीलिए ध्यान का हमारे जीवन में बहुत महत्व है।

इंजीनियर्स एंड साइंटिस्ट विंग के राष्ट्रीय संयोजक एवं पर्यावरण प्रेमी ब्र.कु. मोहन सिंघल ने संस्था का विस्तृत परिचय दिया। साथ ही सम्मेलन के वैन्यू ज्ञानसरोवर की विशेषताओं का भी सुंदर विवरण प्रस्तुत किया।

युवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. आत्म प्रकाश ने आये हुए अतिथियों के प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट किया। इसके पश्चात् ब्र.कु. इशिता ने युवाओं को राजयोग का अभ्यास कराया। ब्र.कु. कृति ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। सभी युवाओं को ईश्वरीय सौगात प्रदान करने के साथ सम्मेलन का समापन किया गया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 15th Sept-2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।